1986-87) का कार्य-चालन घाटा प्रकार था :-

वित्तीय वर्ष	कार्य संचालन घाटा (लाख रु०)
1984-85	6683.20
1985-86	7772.75
1986-87	3860.02

अपरीक्षित लेखों के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष (1987-88) की पहली छमाही में 21.40 करोड़ रु० का कार्य-चालन घाटा हुआ है।

(ग) 8 फरवरी, 1986 से दिल्ली परिवहन निगम के भाड़ा ढांचे में निम्न प्रकार संशोधन किया गया था :-

8 फरवरी, 1986 से पहले		8.2.86 के बाद	
दूरी (कि०मी०)	भाड़ा (पैसे)	दूरी (कि०मी०)	भाड़ा (पैसे)
0.4	30	0-6	50
4.16	40	6-16	100
16.20	50	16+	150
20+	75		

उत्तर रेलवे में दिहाड़ी मजदूर

267. **श्री रशीद मसूद :**
श्रीमती रेणुका चौधरी :
श्री अजीत सिंह :

क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में उत्तर रेलवे को निर्देश जारी किया है कि सभी दिहाड़ी मजदूरों को भी नियमित कर्मचारियों के समान वेतन, कार्य करने की सुविधा और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करायी जानी चाहिए ;

(ख) यदि हां, तो इस निर्देश के जारी होने के बाद जनवरी, 1988 तक उत्तर रेलवे के कितने कर्मचारी लाभान्वित हुए; और

(ग) उन कर्मचारियों की संख्या क्या है जिन्हें इन निर्देशानुसार लाभान्वित किया जाना है और क्या सरकार अन्य रेलवे जोनों के विभागों में कार्य कर रहे दिहाड़ी मजदूरों को भी इस प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराने का विचार रखती है ; और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) जी नहीं। तथापि, इन्दर पाल यादव बनाम उत्तर रेलवे और भारत संघ के मामले में, उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया था कि परियोजना-नैमित्तिक श्रमिकों को 360 दिन की निरन्तर सेवा के बाद ही अस्थाई आहदा दिया जाना चाहिए।

(ख) उच्चतम न्यायालय के आदेशों के कार्यान्वयन से उत्तर रेलवे के 9474 परियोजना श्रमिक लाभान्वित हुए हैं।

(ग) उपर्युक्त निर्देशों के अनुसार योजना का कार्यान्वयन एक सतत प्रक्रिया है और ये अनुदेश सभी क्षेत्रीय रेलों पर लाग होते हैं।

Indigenous Technology for the Development Programme undertaken by N.A.A.

268. SHRI K. MOHANAN:
SHRI SUKOMAL SEN:
SHRI MOSTAFA BIN QUASEM:

Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a whether the indigenous technology for airport modernisation including navigational radar and landing